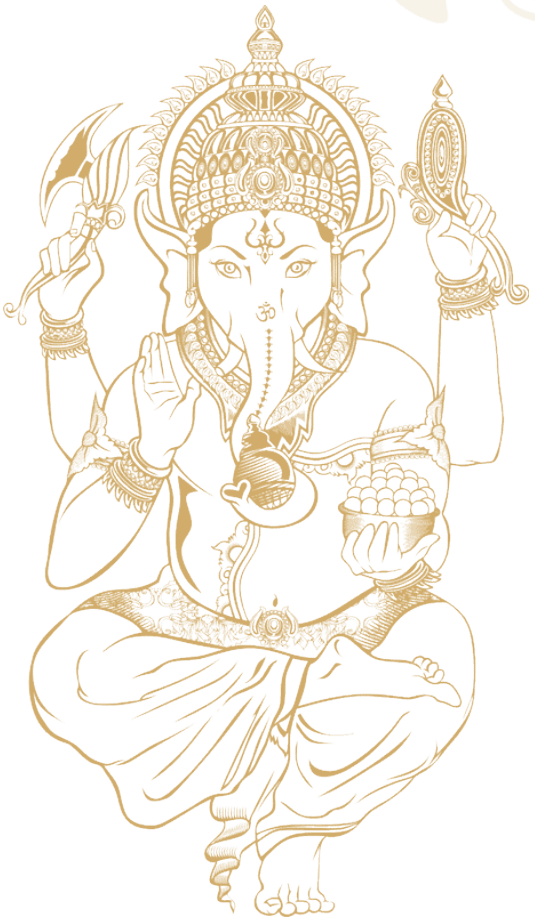

Raj Ekta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121907405

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/07/1994	जन्म तिथि	12/06/2000
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 08:45:00	जन्म समय	08:20:00 घंटे
घटी 07:55:39	जन्म समय(घटी)	07:18:19 घटी
India	देश	India
Jhansi	स्थान	Unnao
25:27:00 उत्तर	अक्षांश	26:32:00 उत्तर
78:34:00 पूर्व	रेखांश	80:30:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:44	स्थानिक संस्कार	-00:08:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:34:44	सूर्योदय	05:14:32
19:08:26	सूर्यास्त	19:01:18
23:47:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:32

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 1मा 13दि		10:12:46	सिंह	लग्न	कर्क	07:57:37	मंगल 1वर्ष 8मा 3दि	
गुरु		29:35:55	मिथु	सूर्य	वृष	27:35:29	गुरु	
29/08/2015		00:43:32	तुला	चंद्र	तुला	03:28:26	15/02/2020	
29/08/2031		14:47:53	वृष	मंगल	मिथु	03:10:47	15/02/2036	
गुरु	16/10/2017	09:21:35	मिथु	बुध	मिथु	21:25:43	गुरु	04/04/2022
शनि	28/04/2020	11:16:34	तुला	गुरु	वृष	02:10:50	शनि	15/10/2024
बुध	04/08/2022	11:42:00	सिंह	शुक्र	वृष	27:46:38	बुध	21/01/2027
केतु	11/07/2023	18:11:22	कुंभ व	शनि	वृष	00:38:33	केतु	28/12/2027
शुक्र	11/03/2026	28:01:04	तुला	राहु व	कर्क	01:15:49	शुक्र	28/08/2030
सूर्य	28/12/2026	28:01:04	मेष	केतु व	मक	01:15:49	सूर्य	16/06/2031
चन्द्र	28/04/2028	00:37:10	मक व	हर्ष व	मक	26:50:20	चन्द्र	15/10/2032
मंगल	04/04/2029	28:08:18	धनु व	नेप व	मक	12:24:18	मंगल	21/09/2033
राहु	29/08/2031	01:36:32	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	17:24:09	राहु	15/02/2036

लग्न-चलित

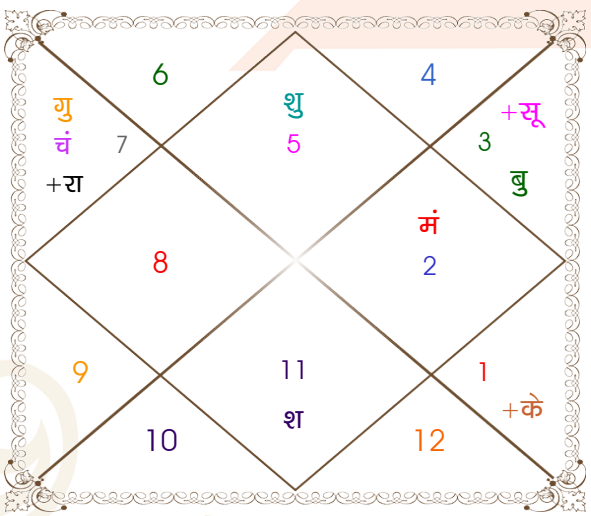

लग्न-चलित

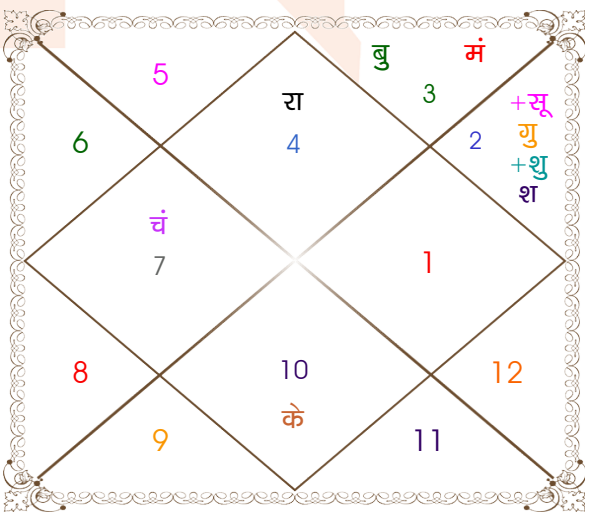

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	व्याघ्र	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Raj का वर्ग मृग है तथा मजं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Raj और मजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Raj मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

मजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल मजं कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Raj कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Raj तथा मजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।